केन्द्रीय विद्यालय भीमताल

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

विद्यालय पत्रिका

2019-20

संरक्षक मंडल

डॉ निधि पाण्डेय, आयुक्त केविसं

सुश्री मीनाक्षी जैन, उपायुक्त,केविसं देहरादून संभाग

श्री विनोद कुमार, सहायक आयुक्त, केविसं देहरादून संभाग

श्रीमती अल्का गुप्ता, सहायक आयुक्त, केविसं देहरादून संभाग

डॉ सुकृति रैवानी, सहायक आयुक्त, केविसं देहरादून संभाग

श्री एन सी जिनाटा, प्रभारी प्राचार्य के वि भीमताल

केंद्रीय विद्यालय भीमताल

संपादक मंडल

हिंदी विभाग :

1. श्री प्रभु सिंह रावत (स्नातकोत्तर शिक्षक हिंदी)
2. डॉ परवीन जहाँ (प्राथमिक शिक्षिका)

संस्कृत विभाग :

1. श्रीमती आशा भट्ट (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका संस्कृत)

अंग्रेजी विभाग :

1. श्रीमती दीपिका पन्त (स्नातकोत्तर शिक्षिका अंग्रेजी)
2. सुश्री ज़िक्रा बर्नी (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका अंग्रेज़ी)
3. श्रीमती सुशीला रावत (प्रथिमिका शिक्षिका)

अन्य विभाग :

1. श्री सी पी जोशी (स्नातकोत्तर शिक्षक गणित) गणित विभाग/ परीक्षा विभाग
2. श्रीमती निधि रावत (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका विज्ञान) विज्ञान विभाग
3. मो० नासिर (स्नातकोत्तर शिक्षक अर्थशास्त्र) एक भारत श्रेष्ठ भारत
4. डॉ परवीन जहाँ (प्राथमिक शिक्षिका) स्काउट एवं गाइड विभाग
5. डॉ विधि बिष्ट (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका कला) कला विभाग

आवरण सज्जा :

डॉ विधि बिष्ट (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका कला)

संकलन एवं संयोजन :

1. श्रीमती कशिका वर्मा (पुस्तकालय अध्यक्ष)
2. सुश्री मोनिका (पी जी टी संगणक विज्ञान)

केंद्रीय विद्यालय भीमताल

संदेश

श्री धीराज सिंह गर्ब्याल
जिलाधिकारी (नैनीताल)
अध्यक्ष विद्यालय प्रबंधन समिति
केन्द्रीय विद्यालय भीमताल

मुझे यह जानकार हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि केन्द्रीय विद्यालय भीमताल सत्र 2019 – 2020 की ई – विद्यालय पत्रिका बनाने जा रहा है |
विद्यालय पत्रिका, विद्यालय के समस्त क्रियाकलापों का एक प्रतिबिम्ब है | इसके माध्यम से उभरते रचनाकारों व सृजनशील प्रतिभाओं को अपनी सृजन क्षमता को प्रदर्शित करने का सुअवसर प्राप्त होता है और उसे परिमार्जित करने का एक मौक़ा |
मैं इस पत्रिका के निर्माण से जुड़े सभी लोगों को हार्दिक बधाई देता हूँ और इसकी सफलता की मंगलकामना प्रेषित करता हूँ | मुझे उम्मीद है कि पत्रिका सभी आयु वर्ग के विद्यार्थियों को उचित स्थान प्रदान करेगी |

प्राचार्य की कलम से ....

श्री नरेश चंद जिनाटा
प्रभारी प्राचार्य
केन्द्रीय विद्यालय भीमताल

केन्द्रीय विद्यालय संगठन को 'लघु भारत' की संज्ञा से भी अभिहित किया जाता है | इसकी नींव 'वसुधैव कुटुम्बकम' के आधार पर रखी गयी है, जिसमें सभी विचारधाराओं का समावेश है | यह 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' के उद्देश्य को लेकर निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है |

'विद्यालय पत्रिका' के माध्यम से सभी को अपने मनोभावों को अभिव्यक्त करने का अवसर मिलता है | हमारे विद्यार्थियों में अनंत संभावनाएँ हैं, जिन्हें मूल्यपरक शिक्षा एवं सृजनात्मकता का अवसर प्रदान कर भीतर से बाहर की ओर लाया जा सकता है | केन्द्रीय विद्यालय, भीमताल द्वारा 'ई – विद्यालय पत्रिका' निर्माण के माध्यम से इस दिशा में किया गया एक सराहनीय प्रयास है, जो विद्यार्थियों के रचनात्मक कौशल की झलक के साथ-साथ उपलब्धियों की प्रभा भी लिए हुए है |

'विद्यालय पत्रिका' के इस अंक के लिए मैं केन्द्रीय विद्यालय संगठन के उच्चाधिकारियों का, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष माननीय धीराज सिंह गर्ब्याल आई०ए०एस० जिलाधिकारी नैनीताल एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के नामित अध्यक्ष श्री नरेंद्रसिंह भंडारी आई०ए०एस० मुख्य विकास अधिकारी नैनीताल का तथा विद्यालय के शिक्षक/शिक्षिकाओं का हार्दिक धन्यवाद करता हूँ जिनके सहयोग एवं प्रयासों के प्रतिफल स्वरुप यह अंक आपके सम्मुख प्रस्तुत है | साथ-ही-साथ विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए हृदय से आशीर्वाद |

सम्पादकीय

मनुष्य मनस्वी है | उसके पास 'मन' है | यही मन सुख-दुःख की अनुभूति का कारण है | जीवन में यदि आशा हो तो सुख मिलता है, उत्साह का संचार होता है, संकल्प जागते हैं | निराशा हो तो दुःख होता है, उदासी छा जाती है और जड़ता आती है | जीवन इसी आशा-निराशा, सुख-दुःख, जीत हार में झूलता रहता है |

यह प्रपंची विश्व नाना रूपाकारों और व्यापारों की रंगस्थली है | मनुष्य मन भी इस विश्व की गतिविधियों से आक्रान्त रहता है | वह सुख-दुःख से कभी मुक्त नहीं हो पाता | भाव मानव हृदय में जन्म से ही विद्यमान रहते हैं| अनुकूल वातावरण पाते ही ये भाव उद्दीप्त हो जाते हैं और हृदय में आलोड़न करते रहते हैं | आलोड़ित भाव मन को उद्वेलित करते हैं तथा विचारों को जन्म देते हैं |यही विचार बुद्धि का संस्पर्श पाकर रचना के रूप में आकार पाते हैं |

बाल मन कोमल एवं अपरिपक्व होता है परिणामस्वरूप उसकी कल्पनाएँ भी नवोत्पल की भाँति मसृण होती हैं | उसकी यह कल्पनाएँ जब किसी रचना के रूप में आकार ग्रहण करती हैं तो वह निश्चय ही मर्मस्पर्शी बन जाती है | इसी बाल मन की चेतना से उपजी सृजनशीलता का प्रतिबिम्ब है विद्यालय पत्रिका का यह अंक जो आप सभी सहृदयों के सम्मुख प्रस्तुत है |

पत्रिका में सन्निहित रचनाओं की मौलिकता का उत्तरदायित्व पूर्ण रूप से रचनाकार का ही है | तथापि पत्रिका के कलेवर में जो भी त्रुटियाँ हों उन्हें बालसुलभ प्रयास समझकर सुधीजन क्षमा करेंगे ऐसी आशा है |

पत्रिका-निर्माण में प्राचार्य महोदय के मार्गदर्शन तथा कर्मठ एवं कुशल साथियों के सहयोग के लिए हृदय से आभार |

- श्री प्रभु सिंह रावत
स्नातकोत्तर शिक्षक (हिंदी)

केन्द्रीय विद्यालय भीमताल
कर्मचारियों की सूची

क्रम सं०	कर्मचारी का नाम	पद नाम
1	श्री नरेश चंद जिनाटा	प्रभारी प्राचार्य
2	श्रीमती दीपिका पंत	स्नातकोत्तर शिक्षिका (अंग्रेज़ी)
3	श्री प्रभुसिंह रावत	स्नातकोत्तर शिक्षक (हिंदी)
4	सुश्री मोनिका	स्नातकोत्तर शिक्षिका (संगणक विज्ञान)
5	श्री चन्द्रप्रकाश जोशी	स्नातकोत्तर शिक्षक (गणित)
6	श्री कपिल कुमार	स्नातकोत्तर शिक्षक (वाणिज्य)
7	श्री मोहम्मद नासिर	स्नातकोत्तर शिक्षक (अर्थशास्त्र)
8	श्रीमती आशा भट्ट	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका (संस्कृत)
9	श्रीमती निधि रावत	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका (विज्ञान)
10	श्री जयसिंह ताकुली	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (गणित)
11	सुश्री जिक्रा बर्नी	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका (अंग्रेज़ी)
12	श्री रणजीत सिंह मीणा	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (सामाजिक विज्ञान)
13	डॉ विधि बिष्ट	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका (कला)
14	श्रीमती काशिका वर्मा	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका (पुस्तकालय)
15	श्री राजबीर सिंह बिष्ट	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (शारीरिक शिक्षा)
16	श्रीमती सुशीला रावत	प्राथमिक शिक्षिका
17	डॉ परवीन जहाँ	प्राथमिक शिक्षिका
18	श्रीमती सुमन देवी	प्राथमिक शिक्षिका
19	श्री रोहित कुमार	प्राथमिक शिक्षक
20	सुश्री अंजलि	प्राथमिक शिक्षिका
21	श्रीमती हरप्रीत कौर	प्राथमिक शिक्षिका (संगीत)
22	श्रीमती मीनाक्षी सिंह वालिया	वरिष्ठ सचिवालय सहायिका
23	श्री दिनेशचन्द्र पाठक	सब स्टाफ
24	श्री महेंद्र सिंह राणा	सब स्टाफ
25	सुश्री निपुण बिष्ट	प्राथमिक शिक्षिका (संविदा)
26	सुश्री पायल	स्टाफ नर्स(संविदा)

समाचार पत्रों में केंद्रीय विद्यालय भीमताल

हिन्दुस्तान • हल्द्वानी • रविवार • 29 सितंबर 2019 • 06

प्लास्टिक मुक्त भीमताल बनायें

अमर उजाला my city बृहस्पतिवार • 03.10.2019 07 www.amarujala.com

भीमताल केंद्रीय विद्यालय में पोस्टर प्रतियोगिता में विजेता बच्चे। अमर उजाला

हिन्दुस्तान हल्द्वानी • बुधवार • 25 सितंबर 2019

भीमताल केवी में फैंसी ड्रेस में हितेंद्र अव्वल

रविवार • 03.11.2019 03 amarujala.com

छात्रों ने मनाया विजिलेंस अवेयरनेस सप्ताह

भीमताल (नैनीताल)। केंद्रीय स्कूल के छात्रों ने विजिलेंस अवेयरनेस वी[k] के तहत शनिवार को नुक्कड़ नाटक पेश किए। स्कूली बच्चों ने डांठ क्षेत्र मे[ं] नुक्कड़ नाटक कर लोगों को भ्रष्टाचार पर रोक के लेकर जागरूक किया। बच्चों ने कहा समाज में अगर स्वच्छ विकास कराना है तो भ्रष्टाचार पर रो[क] लगानी होगी। बच्चों और अभिभावकों ने भ्रष्टाचार न करने को लेकर शपथ ली। इस दौरान प्रिंसिपल पूनम पांडे समेत शिक्षक मौजूद रहे।

my city शुक्रवार • 13.09.2019 अमर उजाला 05

टैगोर और शिवाजी सदन बने विजेता

बुधवार • 25.09.2019 अमर उजाला 06

हितेंद्र, एशनी, स्वास्तिक की ड्रेस सबसे अच्छी

भीमताल केंद्रीय विद्यालय में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। अमर उजाला

शनिवार • 23.11.2019 अमर उजाला 06

05 • हल्द्वानी • गुरुवार • 03 अक्टूबर 2019 • हिन्दुस्तान

भीमताल में रैली और मानव श्रृंखला का आयोजन

अमर उजाला my city

शुक्रवार • 15.11.2019 04 amarujala.com

शहीदों को श्रद्धांजलि, शहादत को सैल्यूट

केवी के बच्चों को दिलाई गई शपथ

अमर उजाला my city नैनीताल-रामनगर

प्रो. बीना पांडे, डॉ. अर्चना नेगी, अमित जोशी, डॉ. तपन नैनवाल, डॉ. अनीता सिंह, डॉ. एलएस रौतेला, डॉ. आशीष बिष्ट, मयंक पांडे, डॉ. महेंद्र राणा आदि थे। जेएन कौल संस्थान के बीएड के छात्र-छात्राओं को प्राचार्य डॉ. रंजना रुहेला ने समाज में एकता बनाने की शपथ दिलाई। इस दौरान डॉ. योगिता वर्मा, डॉ. वैभव चौहान, बीना नेगी, ज्योति जोशी, सोनल शुक्ला, विपिन कुमार, लता साही आदि थे। उधर, डांठ में केंद्रीय विद्यालय के बच्चों ने राष्ट्रीय एकता दिवस पर दौड़ लगाई। प्राचार्य पूनम पांडे ने बच्चों और शिक्षक-शिक्षिकाओं को एकता की शपथ दिलाई। इस दौरान दीपिका पंत, डॉ. प्रवीन जहां, सुशीला रावत, प्रभु सिंह रावत, शबनम मिर्जा, राजवीर, दीपक, नितिन पंत आदि थे। पहाड़पानी के खोमगम आर्य रौक्का में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती धूमधाम से मनाई गई।

लालकुआं (नैनीताल)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिंदुखत्ता की ओर से कार रोड में और नगर कांग्रेस कमेटी लालकुआं की ओर से सरदार वल्लभ भाई पटेल को याद किया गया।

लेक कार्निव[ल]

ACHIEVEMENTS

केंद्रीय

1. SCIENCE DEPARTMENT

NATIONAL CHILDREN SCIENCE CONGRESS

Two students selected for KVS national in National Children Science Congress:

i) Piyush Palariya, VIII

Focal theme- Science Technology and Innovation for a clean green and healthy nation .

Sub theme- Traditional knowledge system

Project title- Bhakli- An eco-friendly and sustainable house

Ii) Bhaumik Tripathi, VII

Focal theme- Science Technology and Innovation for a clean green and healthy nation

Subtheme-Ecosystem and ecosystem services

Project title- Change in climate of Bhimtal due to land use change and its impact on ecosystem of Bhimtal.

2. MUSIC DEPARTMENT

1- कक्षा 11 की छात्रा कसक ने सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी के अंतर्गत प्रादेशिक स्तर की प्रतियोगिता में एकल गायन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

2- कक्षा 7-8 के बच्चों ने पंडित गोविंद वल्लभ पंत जी की जयंती पर हुए कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया व प्रशंसा प्राप्त की।

3- उत्तराखंड राज्य में विशेष रूप से मनाए जाने वाले उत्सव "हरेला" में विभिन्न कक्षाओं के बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया।जिसकी खूब प्रशंसा हुई।

केंद्रीय विद्यालय भीमताल

4- कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर बच्चों ने राम लीला मैदान में कृष्ण लीला को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया।

5- भीमताल में विशेष रूप से मनाए जाने वाले समर कार्निवल में बच्चों ने कुमाऊनी लोकनृत्य पेश कर सबका मन मोह लिया।

3. SPORTS DEPARTMENT

ONE STUDENT HIMANSHU, XI SELECTED FOR SGFI IN VOLLEY BALL.

FOUR STUDENTS SELECTED FOR NATIONAL IN CHESS.

1. VIKASH - IX

2. PIYUSH - VII

3. REETIKA - VII

4. SONAKSHI - VIII

केंद्रीय विद्यालय भीमताल

INFRASTRUCTURE OF KENDRIYA VIDYALAYA BHIMTAL

हिंदी कोना

केंद्रीय विद्यालय

छोटा कैलाश

नैनीताल जिले के भीमताल ब्लॉक में स्थित एक सुन्दर सी पहाड़ी के शिखर पर एक **पुरातन** शिव मंदिर है , जो कि छोटा कैलाश के नाम से जाना जाता है | यहाँ चारों तरफ प्रकृति की सुन्दरता फ़ैली हुई है | यहाँ पहुँचने के दो मार्ग हैं ,पहला भीमताल के मोटर मार्ग से जंगलिया गाँव होते हुए पिनरू गाँव पहुँचते हैं | तीखी चढ़ाई वाली पहाड़ी पगडंडी छोटा कैलाश के लिए जाती है | यह गाँव भी पहाड़ी वास्तुशिल्प वाले घरों से बना एक गाँव है | यहाँ पहुँचने के बाद तीन से चार किमी० की खड़ी चढ़ाई चढ़ने के बाद हम पहले शक्तिपीठ पर पहुँचते हैं | जहाँ पर पूजा-अर्चना करने के बाद आगे का सफ़र आसान हो जाता है | फिर कुछ दूरी पर चढ़ने के बाद हम भगवान शिव के दर्शन कर सकेंगे | रास्ता बहुत सुन्दर और शांत है | यहाँ पर लगभग दो से तीन दुकानें मिलेंगी | महा शिवरात्रि के दिन यहाँ पर भक्तों की बहुत भीड़ उमड़ती है |शिवरात्रि के दिन से ही यहाँ पर भक्त लोग पहुँचने लगते हैं और शाम तक भजन कीर्तन करते हैं | सुबह पूजा- अर्चना करने के बाद ही लौटते हैं | यहाँ से वापस जाने के रास्ते में हमें प्रसाद भी दिया जाता है और यदि किसी की मन्नत पूरी होती है तो वह लंगर की व्यवस्था भी कराता है |

शिवरात्रि के दिन यहाँ पर एक छोटा सा मेला भी लगता है | छोटा कैलाश पहुँचने के बाद हमें एक अद्भुत नजारा देखने को मिलता है | जिससे अलौकिक आनंद की अनुभूति होती है | यहाँ पर मंदिर की देखभाल के लिए बाबा जी रहते हैं | जिनका नाम **“कर्नाटक कैलाशी”** है | वह यहाँ पर रोज पूजा-अर्चना करते हैं | बाबा जी के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन लोग रातभर अनुष्ठान एवं जागरण करते हैं | वह बताते हैं कि शिवरात्रि के अलावा भी लोग यहाँ पर आते हैं और रात भर पूजा करते हैं | जैसे-जैसे हम चढ़ाई चढ़ते रहते हैं वैसे-वैसे हम देखते हैं कि पहाड़ी ढलानों के ऊपर बहुत मेहनत से सीढ़ीनुमा खेत तैयार किए गए हैं , जो कि पहाड़ी जीवन की कर्मठता की झलक प्रस्तुत करते हैं | घुमावदार पहाड़ी रास्ते पर चलते-चलते हम जैसे-जैसे ऊँचाई की ओर बढ़ते हैं ऊँची-ऊँची पर्वत श्रृंखलाएँ हमारा मन मोह लेती हैं | यात्रीगण इस मनोहारी दृश्य का अवलोकन कर यात्रा से होने वाली थकान को भूल जाते हैं |

छोटा कैलाश की चोटी वहाँ के आस-पास की पहाड़ियों में सबसे ऊँची चोटी है | छोटा कैलाश के बारे में मान्यता है कि भगवान शिव जब पार्वती माँ के साथ हिमालय भ्रमण पर आए थे तो माँ पार्वती के थक जाने पर उन्होंने इसी पहाड़ी पर विश्राम किया था | तभी यहाँ पर भगवान् शिव ने धूनी जलाई थी | तभी से यहाँ पर अखंड धूनी जलाई जाती है | अभी भी मान्यता यह है कि शिवलिंग की पूजा-अर्चना करने से मनवांछित फल की प्राप्ति होती है | जब किसी की मन्नत पूरी हो जाती है तो वह यहाँ पर चांदी का छत्र चढ़ाते हैं | ‘कर्नाटक कैलाशी’ बाबा जी बताते हैं कि जब महादेव ने यहाँ विश्राम किया था तो उन्होंने यहाँ पर कई दिव्य शक्तियों से युक्त एक कुंड का निर्माण भी किया जिसे पार्वती कुंड कहा जाता है | पर कई साल पहले किसी भक्त द्वारा उसे अपवित्र कर देने के कारण उसका जल सूख गया | उस कुंड की तीन सशक्त जलधाराएँ विभक्त होकर पहाड़ी की तीन छोरों पर थम गईं | शिवरात्रि के दिन भक्त धूनी के आगे हाथ बाँधकर, रात भर खड़े होकर मन्नत मांगते हैं | इस बीच यदि किसी भक्त के हाथ स्वयं खुल जाते हैं तो उसे धूनी स्थल से हटा दिया जाता है |शिव महिमा का यह एक सशक्त प्रमाण है |

कीमती समय

जिन्दगी की सबसे कीमती चीज होती है समय | प्रकृति के आयाम हवा तथा जल जिस प्रकार किसी की प्रतीक्षा नहीं करते , उसी प्रकार समय भी अपनी गति में चलता है | संसार के जितने भी महान कार्य संपादित हुए हैं, उनमें समय के महत्त्व को पहचानने वाले दूरदर्शी लोगों का योगदान रहा है |

जीवन की सफलता का रहस्य समय के सदुपयोग में निहित है | महापुरुषों ने समय के महत्त्व को समझा है | समय के महत्त्व ने नेपोलियन को एक बड़ा शासक बना दिया और पलक झपकते ही पतन के गर्त में भी पहुँचा दिया | आलस्य का त्याग कर समय अनुसार कार्य करना ही समय की उपयोगिता है |

समय पर सोना, समय पर जागना , समय पर पढ़ाई आदि विद्यार्थी के जीवन में उत्साह और गतिशीलता का समावेश करता है | समय का सदुपयोग करने वाला अपनी दिनचर्या को ही नहीं , परिवेश को भी प्रभावित करता है | समय का दुरुपयोग मनुष्य को कायर बना देता है | ऐसे आदमी का समाज में आदर नहीं होता | समय को नष्ट करने से विचार तथा मानसिकता संकुचित हो जाती है |

विद्यार्थी को आलस्य से दूर रहते हुए समय के महत्त्व को समझना चाहिए | सफलता समय की दासी है | समय का उचित रूप से पालन न करने से उपलब्धियाँ हमारे हाथ से निकल जाती हैं और यह कथन सत्य प्रतीत होता जान पड़ता है कि **"अब पछताय होत क्या , जब चिड़िया चुग गई खेत" |**

समय एक बहती धारा के समान है | अतीत में समय का सदुपयोग करने वाले महापुरुषों की श्रेणी में शामिल हैं और समय का दुरुपयोग करने वालों के नामोनिशान मिट गए हैं |

लोकिता रावत, कक्षा – ग्यारह (वाणिज्य)

मेरी माँ नदी

हे माँ !
तू पल-पल मुझपे
क्यों अपना कीमती जीवन लुटाती है ?
जब से तेरा जन्म हुआ है ,
हिमालय की गोद से ,
तभी से तू कल-कल बहती आयी है मेरे लिए |
तू कभी बनकर 'मंदाकिनी' मुझे बड़ा लुभाती है ,
कभी बनकर पवित्र 'गंगा'
मेरे सारे पाप बहा ले जाती है |
माँ तेरा बिछौना है ये 'प्रकृति' और 'धरती',
तेरा लहराता आँचल है ये 'नीला आसमान'
तेरी ममता का कोई अंत नहीं ,
न तेरा कोई साथी न संगी,
बस तू मैं और तेरा असीमित संसार |
माँ !
क्या सोचकर उस ईश्वर ने तेरी रचना की ?
मुझे तो बना दिया मनुष्य ,
और तुझे बनाया प्रेम भरी ममता की मूरत |
माँ !
मैंने तेरे लिए कभी कुछ नहीं किया |
तुझे दूषित किया ,
तेरा दोहन किया
पर फिर भी तू मुझ पर अपना सर्वस्व क्यों लुटाती है ?
मैं अगर तेरी समुद्र की कब्र पर रोऊँ ,
तो तेरी रूह ;
लहरें बनकर ,

क्यों मुझे छूने चली आती हैं ?

इशिका उप्रेती , बारहवीं (वाणिज्य)

मिलकर कोरोना को हराना है !

आ ही गए हो तो नजरें भी चुरा सकते नहीं
हाथ जोड़कर करते हैं स्वागत,
हाथ मिला सकते नहीं |
परम्परा है अतिथियों का सत्कार करने की ,
इसलिए नजरें तुमसे चुरा सकते नहीं |
हाथ जोड़कर करते हैं स्वागत ,
हम हाथ मिला सकते नहीं |
तेरे आने से देश में मायूसी सी छाई है
जैसे एक आँधी, काली घटा घेर लाई है |
फिर भी नहीं डरेंगे तुमसे ,
क्योंकि चिकित्सा पद्धति सबसे पहले भारत में ही आई है |
निपटने का तुमसे हर संभव प्रयास जारी है |
तुमने तो फैला लिया अपना कहर ,
अब निपटने की तुमसे बारी हमारी आई है |
निकाल फेंकेंगे तुझको इस देश की जड़ों से हम ,
जैसे तुम कभी यहाँ आए ही न थे ,
डॉक्टर की मेहनत से बेफिक्र हो जाएगा ,
यहाँ का हर एक नागरिक ,
जैसे वो तुमसे कभी घबराए ही न थे |
डॉक्टर की मेहनत , समर्पण और उनके इस जज्बे को ,
मैं दिल से सलाम करती हूँ ,
कोई कितना भी कर ले अपमानित आपको ,
पर मैं विपदा की इस घड़ी में ,
आपकी मेहनत को ,
शत-शत नमन करती हूँ |
मेरे देश में आकर तूने ऐ वायरस !
बुरी नजरें अपने गड़ा दीं |
यहाँ तो पहले से ही थी लोगों में नजदीकियाँ बहुत कम,
तूने तो आके दूरियाँ और बढ़ा दीं |
डरने लगा है आदमी-आदमी को गले लगाने से ,
इससे बुरा दृश्य इन आँखों के लिए और क्या होगा ?
भगाएँगे यहाँ से तुझको ऐसे ,
जैसे न तू यहाँ था, न यहाँ होगा |

कशिश खान. नवम

कोरोना को हराना है

कोरोना को हराना है ,
जिन्दगी की तरफ ,
एक और कदम बढ़ाना है |
मिलजुलकर एक दूसरे का साथ निभाना है
हर मुश्किल को आसान बनाना है |
दिलों की दूरियाँ मिटाकर ,
सबका विश्वास और हौसला बढ़ाना है |
कोरोना को हराना है ,
जिन्दगी की तरफ '
एक और कदम बढ़ाना है |
चाहे जो हो जाए इस संकट की घड़ी में ,
दिल को मजबूत बनाना है |
अपनी इच्छाओं को बेड़ियों में जकड़कर
पैरों पर ताला लगाना है |
आने वाले कल को अगर , उज्ज्वल बनाना है |
तो घर से बाहर नहीं जाना है |
कोरोना को हराना है ,
जिन्दगी की तरफ , एक और कदम बढ़ाना है |
उन वीरों का हर क्षण उत्साह बढ़ाना है ,
जिनका मकसद अपनी जान पर खेलकर ,
हमारी जान बचाना है |
त्याग और परिश्रम के उन महामानवों को अगर
बचाना है ,
तो समझ लो घर से बाहर नहीं जाना है |
कोरोना को हराना है ,
जिन्दगी की तरफ ,एक और कदम बढ़ाना है |

जिज्ञासा कुमल्टा ,VIII

चिड़िया माँ

एक रोज बैठी थी मैं पेड़ में
नज़ारे देख रही वहाँ से ढेर मैं
चारों तरफ हरियाली ही हरियाली
मन को छू जाती थी बड़ी प्यारी
सामने बैठी थी माँ लेके अपना स्वाभिमान
नजरें घुमा-घुमा कर ढूँढ रही थी कुछ सामान
माघ महीने मेहनत करती , बनाती घोंसला
जब नन्हीं जान निकल आती तो कहलाती वो चिड़िया माँ |
तू क्यों इतनी मेहनत करती , क्या मिलता है तुझे इससे ?
सुने हैं तेरे हमने बहुत सारे किस्से |
कैसे तिनका-तिनका बटोर के बनाती है तू घर
इधर उछलती उधर कूदती होके तू निडर |
जब अंडे आ जाते सेकती तू दिन भर ,
साथी तेरा मेहनत करता , आता है फिर घर |
धूप हो या छाँव हो, या हो बारिश
कुछ महीने की मेहनत से आती है एक जान ,
जो होती है इस दुनिया से अनजान |
दुनिया से परिचय कराती ,फिर पाल-पोसकर बड़ा बनाती ,
फिर एक दिन छोड़कर वो तुझे , चली जाती |
इतना दुःख देने के बाद फिर वो कभी न आती ,
लेकिन तू फिर भी उसे हँस कर गले लगाती |
इतना विशाल दिल माँ तेरे पास कहाँ से आता ,
और एक संतान क्यों नहीं समझ पाती तेरी ममता |
इतना देख वादा किया मैंने मेरी माँ से ,
साथ न छोडूँगी , न सताऊँगी तुझे अब से ||

प्रीति मेहता ,IX

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
“यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता”

अर्थात जहाँ नारियों को सम्मान दिया जाता है वहाँ साक्षात देवता निवास करते हैं | ये आपकी और मेरी कही बात नहीं है वरन वेद वाक्य है , फिर भी इस ध्रुव सत्य पर उपेक्षा के बादल सदियों से मंडराते आ रहे हैं | विषय के आधुनिक पक्ष की ओर विचार करें तो मुझे एक तरफ यह जानकर बड़ी प्रसन्नता होती है कि नारी सशक्तिकरण, लाड़ली योजना, बेटी बचाओ , बेटी पढ़ाओ आदि योजनाएँ लागू की जा रही हैं जो साबित करती हैं कि अभी भी समाज के ऊँचे पदों पर बुद्धिजीवी लोग आसीन हैं जो सृष्टि की संरचना में आधी भूमिका निभाने वाली महीयषी महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने के लिए कार्यरत हैं , दूसरी तरफ यह सोचकर मुझे काफी दुःख होता है कि भारत जैसे देश में ऐसे भी लोग है जिन्हें यह बताने की जरूरत है कि नारियों को भी उनका अधिकार मिलना चाहिए |

उन लोगों के जहन में ये साधारण सी बात क्यों नहीं आती कि उनके अस्तित्व में आधी साझेदारी स्त्री की ही है और अगर वो इस विषय पर थोड़ा और विचार करें तो वे यह भी जान पाएँगे कि अगर उनके व्यक्तित्व में कहीं भी कमी रह गई है तो इसके पीछे का एकमात्र कारण उनसे जुड़ीं स्त्रियों के अधिकारों का हनन है | आज के इस विकासशील देश में जहाँ मंगलयान की सफलता पर पूरा विश्व भारत को शुभकामनाएँ देता है | उसी समय एक सवाल मुँह उठाता है कि क्या भारत केवल तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है ? क्या नारियों के प्रति सोच विचार की मानसिकता में प्रगति शिथिल पड़ी हुई है ? लिंगानुपात के बढ़ते असंतुलन को देखकर भी हमारी आँखें नहीं खुलती |पिछले 14 वर्षों से सी बी एस ई की बोर्ड परीक्षाओं में लड़कियाँ ही अव्वल आ रही हैं | यहाँ तक कि विश्वविख्यात मनोवैज्ञानिक सिगमंड फ्रायड ने अपने प्रयोगों से सिद्ध कर दिया है कि स्त्रियाँ पुरूषों की तुलना में अधिक मेह्नती, धैर्यवान, अहिंसक, और ईमानदार होती हैं और ये सभी गुण उन्नति के मार्ग में मील का पत्थर साबित होती हैं | ये सब जानने के बाद भी नारियों के साथ अमानवीय व्यवहार कैसे कर सकते हैं ? क्या ऐसा कृत्य पाशविकता का पर्याय नहीं है ?

अब आवश्यकता है कि हम नज़र उठा कर देखें उन देशों की तरफ जो विकसित हैं और पाएँगे कि सभी विकसित देशों में एक बात सामान्य है कि वहाँ नारियों को पुरुष के समान अधिकार दिया जाता है | शायद ऐसे ही कुछ कारण हैं जिस वजह से हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 22 जनवरी 2015 को” बेटी बचाओ ,बेटी पढ़ाओ” अभियान की शुरुआत की है |

भारत देश पौराणिक संस्कृति के साथ-साथ महिलाओं के सम्मान और इज्जत के लिए जाना जाता है | लेकिन बदलते समय के साथ हमारे देश के लोगों की सोच में भी बदलाव आ गया है जिसके कारण अब बेटियों और महिलाओं के साथ एक समान व्यवहार नहीं किया जाता है | लोगों की सोच किस कदर बदल गयी है कि आए दिन देश में कन्या भ्रूण हत्या और बलात्कार जैसे मामले देखने को मिलते रहते हैं | जिस कारण हमारे देश की स्थिति इतनी खराब हो गयी है कि लोग हमारे देश में आने से झिझकते हैं | जन्म के बाद भी लड़कियों को कई तरह के भेदभाव से गुजरना पड़ता है ,जैसे- शिक्षा,स्वास्थ्य, सुरक्षा, खान-पान का अधिकार आदि दूसरी जरूरतें हैं जो लड़कियों को भी प्राप्त होनी चाहिए | हम कह सकते हैं कि महिलाओं को सशक्त करने के बजाय अशक्त किया जा रहा है | लड़कियों के लिए पुरुष के नकारात्मक पूर्वाग्रह को सकारात्मक बदलाव में परिवर्तित करने के लिए ये योजना एक रास्ता है | इस योजना की शुरुआत करते हुए प्रधानमंत्री मोदी जी ने चिकित्सक बिरादरी को ये याद दिलाया कि चिकित्सा पेशा, लोगों को जीवन देने के लिए बना है न कि उन्हें ख़त्म करने के लिए |

भूमिका , ग्यारह (वाणिज्य)

गंदगी मुक्त मेरा गाँव

"स्वच्छता भक्ति के बाद दूसरी सबसे महत्वपूर्ण चीज़ है ।" — महात्मा गांधी

गंदगी मुक्त भारत एक राष्ट्रीय स्तर पर किया जा रहा अभियान है जो ८ अगस्त २०२० से १५ अगस्त २०२०तक चलेगा। यह अभियान भारत सरकार ने हाल ही में लागू किया है। इस अभियान का उद्देश्य एक सप्ताह तक भिन्न-भिन्न गतिविधियों से भारत को सुन्दर और स्वच्छ बनाना ही है |

गंदगी मुक्त भारत अभियान का मुख्य उद्देश्य गाँवों को स्वच्छ करना और ग्रामीण लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है। इसके अंतर्गत श्रमदान, प्लास्टिक का बहिष्कार , वृक्षारोपण इत्यादि जैसे क्रियाकलाप कराए जा रहे हैं। यह कार्यक्रम युवा पीढ़ी को स्वच्छता के प्रति भिज्ञ कराने पर भी ज़ोर देता है|

मैंने भी अपने गाँव के लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कराने का प्रयास किया है | इसके अंतर्गत सर्वप्रथम उन्हें व्यक्तिगत स्वच्छता के विषय में अवगत करवाया खासकर महिलाओं को , ताकि वे स्वयं एवं अपने बच्चों की स्वच्छता को सुनिश्चित कर सकें | गाँववासियों को यह भी बताया कि वे अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखें | कूड़ा इधर-उधर न फेंकें , खासकर नदी, तालाब जैसे जल स्रोतों के आस-पास गन्दगी न फैलाएँ | खुले में शौच न करें | जैविक खाद का प्रयोग करें | कूड़ा-करकट सूखे पत्तों एवं फसलों के अवशेष और अपशिष्ट न जलाएँ | 'यूज एंड थ्रो' की दुनिया को छोड़ 'पुनः सहेजने' वाली सभ्यता को अपनाएँ | कपड़े के थैले का प्रयोग करें और प्लास्टिक को "न" कहें | वृक्षों को न काटें और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें | सरलता और सादगी ग्रामीण जीवन की विशेषता है यदि उसमें शिक्षा और स्वच्छता के गुण भी मिल जाएँ तो सोने पर सुहागा हो जाए |

विद्यालय स्तर पर भी एतद्सम्बंधी प्रतियोगिताओं के आयोजन होने से बच्चों के अंदर रचनात्मकता का विकास होगा। विद्यार्थियों के द्वारा उनकी रचनाओं एवं कलाकृतियों में उनके विचार एवं मनोभाव प्रकट किए जाएँगे तथा उनके द्वारा दिए गए संदेशों का उनके घर के बड़ों पर भी प्रभाव पड़ेगा।

अपने पर्यावरण को स्वच्छ रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है और इसे निभाना हमारा कर्तव्य है। युवा पीढ़ी हमारे देश का भविष्य है और यदि युवा पीढ़ी स्वच्छता का महत्व समझ जाए एवं उसका पालन करने लगे तो भारत का हर एक कोना स्वच्छ और सुंदर अवश्य ही हो जाएगा तथा हमारा भारत कहलाये 'गन्दगी मुक्त भारत' |

श्राइन सिंह ,X

जिन्दगी आसान नहीं होती !

इतना आसान नहीं होता है, ये जिन्दगी का सफ़र तय करना ,
रास्तों में नहीं , काँटों में चलकर मंजिलों का दीदार होता है |

यहाँ रोशनी के लिए रास्तों में जिन्दगी के दिए जलाने पड़ते हैं ,
जिन्दगी में इक नई पहचान बनाने के लिए, कई ख्वाहिशें दफनानी पड़ती हैं |

जिन्दगी में थोड़ी सी खुशी देखकर, गम दरवाजों पर दस्तक दे दिया करता है ,
परेशानी अपना लाव लश्कर लेकर मुफलिसी में जीना मुहाल कर देती है |

जैसा हम सोचते हैं , जिन्दगी वैसी आसान नहीं होती ,
हमें मंजिलें राहों की खुद तय करनी होती हैं |

सुनसान राहों में जिन्दगी की अहमियत पता चलती है ,
मुस्कराती मतलबी दुनिया जब अपनी रंगत बदलती है |

जिदंगी आसान नहीं होती, इसे आसान बनाना पड़ता है ,
कभी किसी को अंदाज से ,और किसी को नजरअंदाज से |

अरमान खान , दसवीं

हिंदी का विकास

विश्व में कुल सात हजार भाषाएँ बोली जाती हैं | जिनमें से हिंदी विश्व में दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है | भारत में भी यह सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है | भारत की 2011 की जनगणना के अनुसार, कुल 52 करोड़ लोग हिंदी का प्रयोग कर अपने भाव प्रकट करते हैं | परन्तु हिंदी हमेशा से ऐसी नहीं थी ,जैसा हम उसे अभी जानते हैं |

हिंदी का जन्म **संस्कृत** से हुआ | परन्तु हिंदी प्रत्यक्षतः संस्कृत से नहीं जन्मी | माना जाता है कि **वैदिक संस्कृत** 1500 ई०पू० – 1000 ई०पू० से बोली जाती थी | उसके उपरांत आई , **लौकिक संस्कृत** जो 1000 ई०पू० – 500 ई०पू० के काल की मानी जाती है | उसके बाद **'पालि'** भाषा का चलन चला, जो 500 ई०पू० से 1 ई० के काल की मानी जाती है | भगवान् बुद्ध के सारे उपदेश पालि भाषा में ही लिखे गए थे | पालि के अनुसरण में द्वितीय प्राकृत काल में आई **'प्राकृत'** , जो 1 ई० – 500 ई० के काल की मानी जाती है | भगवान् महावीर के सारे उपदेश प्राकृत भाषा में ही हैं | उसके पश्चात तृतीय प्राकृत काल में **अपभ्रंश** और **अवहट्ट** का प्रयोग क्रमशः 500 ई० – 1000 ई० और 900 ई० – 1100 ई० में किया गया | इनके बाद **प्राचीन हिंदी** का दौर चला , जो 1100 ई० – 1400 ई० तक रहा | तत्पश्चात **मध्यकालीन हिंदी** आई जो 1400 ई० -1850 ई० तक प्रयोग की गयी | और अंत में **आधुनिक हिंदी** आई , जो 1850 ई० से अब तक प्रयोग में है |

आंग्लभाषा के चलते हिंदी भाषी हिंदी का महत्त्व भुला बैठे हैं | इसी महत्त्व का अहसास कराने के लिए **14 सितंबर** को **'हिंदी दिवस'** मनाया जाता है | हमें हिंदी भाषी होने पर गर्व होना चाहिए ,तथा हिंदी साहित्य का सम्मान करना चाहिए |

श्राइन सिंह , दसवीं

पहली सी अब दिखती नहीं वे, रौनकें बाजार की

पहले सी अब दिखती नहीं ,
रौनकें बाज़ार की !
हर ओर सन्नाटा यहाँ
हर रोज बढ़ते फासले |
हर रोज मौतें बढ़ रहीं,
हर ओर दुःख के काफिले |
कैसी महामारी चली ,
धुन थम गयी संसार की |
पहले सी अब ....
वे , वक्त के मजदूर हैं ,
पर वक्त से मजबूर हैं |
ताले लगे, रास्ते रुके ,
जाएँ कहाँ वे दूर हैं |
सुनता कहाँ मालिक भला ?
चीखें यहाँ लाचार की |
पहले सी अब............
है पीठ पर गठरी लदी ,
औ कांध पर बच्चे लदे |
जाना है मीलों दूर तक ,
पर प्राण फंदों में फंदे |
कैसा भयंकर वायरस !
जीवन हुआ इससे विरस |
हर शख्स संक्रामक हुआ ,
वर्जित हुआ उसका परस |
बस मास्क में महफूज हैं,
साँसें सकल संसार की |
पहले सी अब दिखती नहीं ,
वे रौनकें बाज़ार की ||

हर्षिता आर्य , सातवीं

प्रकृति और मानव प्रकृति

मानव की लालसा बढ़ रही
कर रहे भविष्य का तिरस्कार |
भय भुलाकर कैसे मिल रहा
चल रहे सब बस और कार |
प्रकृति से मुँह मोड़कर
प्रदूषण को बढ़ा रहे |
जीवन से नाता तोड़ रहे ,
खुद के जीवन को गिरा रहे |
आधुनिकता और प्रगति में हुआ मगन ,
उपयोग कर रहा सीमित संसाधन |
अगर न कुछ किया गया ठोस प्रण ,
तो सब खो बैठेंगे ये अमूल्य धन |
युवा कर लें एक जतन ,
न जाने देंगे व्यर्थ वचन |
हो ऐसा संतुलित प्रबंधन ,
जिससे भविष्य के लिए बचे ईंधन ||

आयुषी सुयाल , नवम

लॉकडाउन के दौरान मेरे अनुभव

मेरा नाम शालिनी जोशी है | मैं कक्षा आठ की छात्रा हूँ | आज मैं कोरोना काल में घटी अपनी आपबीती लिख रही हूँ | नए स्कूल में दाखिला मिलने के बाद अभी विद्यालय के द्वार से अन्दर झाँका भी न था कि पूरे विश्व को एक महामारी (कोरोना) ने अपनी चपेट में ले लिया | महामारी भी ऐसी कि जिसे किसी ने स्वप्न में भी न तो देखा होगा और न ही सोचा होगा | न किसी से बात कर सकते थे, न किसी से मिल सकते थे, न खेल सकते थे, सिर्फ घर के अन्दर कैदियों के जैसे रहना मजबूरी हो गयी थी | मुझे पहली बार समाज की अहमियत का अहसास हुआ | चारों ओर कोरोना से पीड़ितों की मृत्यु के समाचार सुन-सुन कर दिल दहला जा रहा था | हर पल एक डर घेरे हुआ था कि कब ये महामारी हम पर आक्रमण कर देगी | परन्तु इस सबके बीच डॉक्टरों, पुलिस, पत्रकार,सफाई कर्मचारी आदि लोगों को देखकर हौंसला ऊँचा भी हो रहा था | पत्रकार प्रतिदिन अपनी जान जोखिम में डालकर हमारे लिए समाचार एकत्रित कर रहे थे | डॉक्टर अपनी जान की बाजी लगाकर मरीजों को ठीक करने की कोशिश में जुटे थे | पुलिस चारों तरफ तैनात थी ताकि हम अपने घरों में सुरक्षित रहें |सफाई कर्मचारी अपनी सुरक्षा को दरकिनार करते हुए बड़ी निष्ठा से अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे थे |इन सबको हमारा शत-शत नमन है |

मैं घर पर अपनी माँ को सुबह से शाम तक बिना रुके काम करते देख काफी हैरान थी | वह बहुत काम कर रही थीं | तब मुझे ऐसा लगा कि गृहकार्यों में लिप्त महिलाओं का जीवन भी सरल नहीं है | मैंने घर पर रहकर भी एक सकारात्मक सोच रखी,और इस समय को व्यर्थ न करते हुए अपनी माँ के काम काज में हाथ बँटाया | साथ ही साथ मैंने घर के बहुत से काम भी सीखे |

मैंने प्रतिदिन अपने अध्यापकों द्वारा ली जाने वाली सभी कक्षाओं में उसी प्रकार भाग लिया ,जिस प्रकार से मैं विद्यालय जाकर लेती थी | अपने विद्यालय के किसी भी अध्यापक व अध्यापिका को न जानते हुए भी मैंने उनके दिलों में अपने लिए एक अच्छी छवि बना ली है | मेरे विद्यालय के अध्यापकों ने भी मेरा बहुत सहयोग किया | विद्यालय में नई छात्रा होने के बावजूद भी उन्होंने मुझे ऐसा अहसास कराया जैसे कि मैं इस विद्यालय की पुरानी छात्रा हूँ |

विद्यालय से मिलने वाले निर्देशों के अनुसार मैंने अपनी सेहत का पूरा ध्यान रखा | प्रातः जल्दी उठकर मैं योगासन अवश्य करती थी ,साथ ही सुबह की सैर पर भी जाती थी | घर वापसी पर नहाने के पश्चात मंदिर में हाथ जोड़कर यही प्रार्थना करती थी कि “हे प्रभु ! पूरे विश्व को इस भयंकर और विनाशकारी महामारी से मुक्ति दिलाएँ|”

शालिनी जोशी , आठवीं

भीमताल के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल

प्रकृति की गोद में बसा भीमताल शहर न केवल अपनी प्राकृतिक सुषमा एवं समशीतोष्ण जलवायु के लिए प्रसिद्ध है अपितु यहाँ के दर्शनीय पर्यटन स्थल इसकी महत्ता को और अधिक विशिष्ट बना देते हैं | तो चलिए आप सभी को परिचित करवाते हैं यहाँ के उन आकर्षक स्थलों से जो अपने अप्रतिम एवं अलौकिक सौन्दर्य से बरबस हमारा ध्यान आकृष्ट करते हैं |

भीमताल झील

भीमताल झील भारत की प्रसिद्ध झीलों में से एक है और भीमताल के सौन्दर्य के आकर्षण का प्रमुख केंद्र भी | भीमताल झील यहाँ की सबसे बड़ी झील है | झील के केंद्र में स्थित एक द्वीप पर्यटकों को अनायास ही अपनी ओर आकृष्ट करता है | यहाँ पर आप विभिन्न प्रजातियों की रंग-बिरंगी मछलियों को देख सकते हैं | यह झील पर्यटकों के मध्य काफी लोकप्रिय है | पर्यटक इसमें नौका विहार का आनंद लेते हैं |

हिडिम्बा पर्वत

हिडिम्बा पर्वत भीमताल से मात्र 5 कि०मी० की दूरी पर स्थित एक खूबसूरत पहाड़ी है,जिसका नाम महाभारत के भीम की पत्नी हिडिम्बा से मिलता है | इस पहाड़ी में 'वानखंडी आश्रम' नामक एक वन्यजीव आश्रम भी है, जो कि एक भिक्षु 'वानखंडी महाराज' द्वारा विकसित है | वे स्वयं भी यहीं पर निवास करते हैं | यदि आप भीमताल की सैर पर हैं तो आपको 'हिडिम्बा पर्वत' की सैर अवश्य करनी चाहिए |

भीमेश्वर महादेव मंदिर

भगवान शिव को समर्पित भीमेश्वर महादेव मंदिर यहाँ के सबसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में से एक है | पौराणिक किंवदंतियों के अनुसार कभी इस स्थल पर महाभारत के बलशाली पात्र भीम का आगमन हुआ था | जनश्रुति है कि जब भीम यहाँ के पहाड़ी रास्तों से अपनी यात्रा कर रहे थे तभी उन्हें आकाशवाणी सुनाई दी | उसमें भीम से कहा गया कि अगर वो चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ी उन्हें जन्मों तक याद रखे तो उसे यहाँ एक शिव मंदिर का निर्माण करना पड़ेगा |

करकोटक मंदिर

यहाँ के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में आप नागों के देवता को समर्पित 'करकोटक मंदिर' के दर्शन कर अपने को धन्य महसूस कर सकते हैं | यह धार्मिक स्थल एक तीर्थस्थान भी है , इसलिए यहाँ भारी संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन लगा रहता है | धार्मिक एवं पौराणिक आस्थाओं में रूचि रखने वालों के लिए यह स्थान अधिक महत्त्व रखता है |

हनुमान गढ़ी

हनुमान गढ़ी एक धार्मिक आस्था का केंद्र है और अपने सूर्यास्त के दृश्य के लिए प्रसिद्ध है | यह एक मंदिर परिसर है जहाँ हनुमान जी की मूर्ति स्थापित है | इस स्थान की स्थापना 'बाबा नीम करोली' के आदेशानुसार सन् 1950 के आस-पास की गई थी |

प्रिया भट्ट , बारहवीं (वाणिज्य)

Common Minimum Program
CMP

केंद्रीय विद्यालय

प्राचार्य कक्ष का अवलोकन एवं प्राचार्य से वार्तालाप करते हुए कक्षा एक के नन्हे नवागंतुक |

विद्यालय तत्परता कार्यक्रम :- कक्षा एक के बच्चों का स्वागत

पाठ्य सहगामी क्रियाएँ:- कक्षा शिक्षण में सहायक सामग्री का प्रयोग शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को रोचक बना देता है|

अधिगम दक्षता:- पी ए सी (परफोर्मिंग आर्ट) के अंतर्गत पतंग उड़ाओ |

मुखौटा:-पहचानो हम कौन?

आनंदवार:- बच्चों की भीतरी प्रतिभा को उभारने का सबसे उचित दिवस है आनंदवार|

प्रकृति के सान्निध्य में सहज अधिगम

वृक्षारोपण:-तभी साँस ले पाओगे, जब पेड़ों को लगाओगे ।

तकनीकी शिक्षण

पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाएँ:- छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा का विकास

"BOOKS ARE MY BEST FRIENDS":- To develop reading habits among them. Students are given opportunities to read the books of their tastes in the Library.

Cubs & Bulbuls in action mode:-Scouting and guiding is very helpful in making children dutiful, disciplined and dedicated

Film Show:-Educational movies are shown regularly to students to take the students beyond text. It also enables the students to retain the content for long

JOURNEY TO THE SELF
(YOGA CORNER)

Exploring the talents.

Students making Masks
(Learning by doing)

CBSE RESULT

2019-2020

केंद्रीय विद्यालय

CBSE RESULT 2019-2020

CLASS	APPEARED	PASS	PASS%	P.I
XII	11	11	100%	72.5
X	25	24	96 %	60.2

CONGRATULATIONS

X -- TOPPER - EESH TRIPATHI 97.2 %
XII -- TOPPER - GEETIKA CHANDRA 94.6%

1. Geetika Chandra, Jyoti karki and Vandana pant scored 100 marks in English.
2. Eesh Tripathi scored 100marks in social science.

EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT

“Musical activities under ek Bharat Shreshtha Bharat”

Ek Bharat Shreshtha Bharat programme aims at enhancingthe interaction between people of diverse cultures living in different States in India.
In continuation of this series, students of K.V Bhimtal prepared a variety of musical activities.
They prepared dance on the song “KoluMatadutavo, mudalkunigalkere“
The rich heritage and culture, customs and traditions of other States enable students to understand and appreciate the Indian diversity, thus fostering a sense of common identity. They also learned about the costumes of Karnataka and their beautiful dance styles. Students also get to know about their music forms and musical instruments.
The state day of Karnataka was celebrated by singing the state anthem “Jaya BharathaJananiyaThanujate,“ virtually through online mode. It creates an environment which promotes learning between States by sharing best practices and experiences. Though Kannada language is new and a bit difficult but our children gave their best to make the pronunciation clear and to sing the song with proper rhythm and melody.
Students also prepared community songs in Kannada language every month. (KoluMatadutave,Hachhevukannadadeepa). This is being done in order to make children know about their partnering state Karnataka and to make them aware about the facts related to Karnataka, their music, dance forms and their culture.

-MUSIC DEPARTMENT

एक भारत श्रेष्ट भारत कार्यक्रम के तहत प्रशानोतरी एवं प्रश्नकाल

वर्ष 2020-21 में केन्द्रीय विद्यालय संघटन के निर्देशानुसार, केंद्रीय विद्यालय भीमताल में एक भारत श्रेष्ट भारत कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न कार्यकर्मो का आयोजन आभासीय माध्यम से किया गया ! इन्ही कार्यकर्मो की सुची में प्रस्नोतरी एवं प्रश्नकाल का आयोजन भी आभासीय माध्यम से किया गया इन कार्यक्रमों से विद्यालय के प्रतिभाग करने वाले छात्रो को इस वर्ष हमारे साझेदारी राज्य (कर्नाटक) के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया विधालय के छात्रो को कर्नाटक राज्य की कला, संस्कृति, सहित्य, इतिहस, भोगोलिक सीमाओ, खेल कूद एवं अन्य महत्वपूर्ण अनछुए पहलुओं के बारे में जानकारीपूर्ण चर्चा में सम्मलित किया गया जिससे निश्चितरूप से न केवल विधार्थियों वरन विधालय के सभी सदस्य इससे लाभान्वित हुए।

BHASHA SANGAM ACTIVITIES
UNDER "EK BHARAT SHRESTHA BHARAT" PROGRAMME

Kendriya Vidyalaya, Bhimtal has conducted various activities virtually amid this pandemic situation as per the given EBSB calendar for the current session 2020-21. Students from KV Bhimtal have participated enthusiastically to learn and get exposure to the language of our partnering state i.e. KARNATAKA. The following activities have been conducted under this programme:

1. **PLEDGE:**

   Students took pledge on Swachhata, Single use of plastic, Water Conservation and Natural Unity in the language of our partnering state in order to spread awareness and to take oath to keep our surroundings clean, save water, to stop or minimise the use of plastic and to live in harmony.

2. **LITERARY FEST:**

   Under the literary fest, students get exposure to alphabets, proverbs, and sentences in the language of the partnering state. Many students appraisingly attempted **Poetry Recitation** and translation of popular regional folk tales in Kannada language.

3. **VIRTUAL EXHIBITION OF STATE PROJECT NOTEBOOK:**

   A Project Notebook is maintained by the students on our partnering state Karnataka.
   In this project students search and write about the historical background, historical places, indigenous games, dance forms, main cuisine, famous personalities and geographical and political background of the partnering state – KARNATAKA.
   Virtual Exhibition is conducted on the school level in which students explain the theme of their project on Karnataka virtually via online platforms.

VIDEO CONFERENCING UNDER EBSB

Under Ek Bharat Shreshtha Bharat programme, Kendriya Vidyalaya Bhimtal organized a video conference with the students and teachers of our partnering state i.e. Karnataka on 19/12/2020, in which the students of K.V. Bhimtal interacted with the students of K.V. ChikodiBegaluru Region of Karnataka. It was a two way interaction by the students, staff and the Principals. During the conference, the students from both the states shared their views about the importance of EBSB programme, they presented the culture of their respective states by presenting folk songs of their states, shared information about famous places of tourist attraction and festivals celebrated across their respective states.This two way conferencing was highly beneficial and interesting not only for the students but also for the staff members.

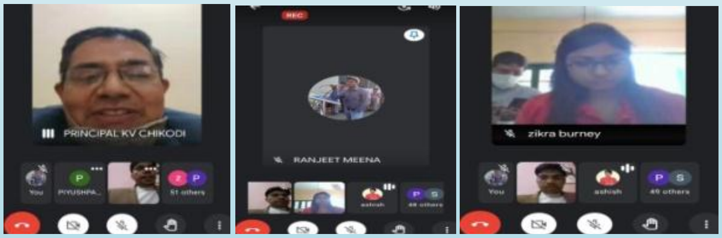

ART GALLERY

YOGA DAY

केंद्रीय विद्यालय

CO-CURRICULAR ACTIVITIES
CCA

KEEP SILENCE
शौर्य दीवार
WALL OF HERO
ABCDEFGHIJKLM
NOPQRSTUVWXYZ
संस्कृत श्लोक पाठ प्रतियोगिता

ENGLISH SECTION

Woman empowerment

Women empowerment refers to making women powerful to make them capable of deciding for themselves. Women have suffered a lot through the years at the hands of men.In earlier century they were treated as almost non-existent as if all the rights belong to men, even something as basic as voting. As the times evolved women realised their powers and rights. There on began the revolution for women empowerment.

As women were not allowed to take decision for themselves, women empowerment came in like breath of fresh air. It made them aware of their rights and how they must make their own place in society rather than depending on man.

In our society, women are expected to mould themselves according to the wishes of the men who feed them". They are not allowed to have an individual opinion or an independent identity. Empowering women involve encouraging them to be financially, culturally and socially independent.

A woman must be allowed to pursue her dreams and aspirations.She must be acknowledged as an individual. Women empowerment has led millions of women across the globe to pursue their dreams.They are steadily moving forward in life with strong determination, respect and faith in themselves.

However we must realize that despite the efforts being made to uplift women, most of them still suffer under patriarchy and suppression. Domestic violence is extremely common in countries like India. The society has always tried to curb the freedom of a woman because it is afraid of a woman who is strong and independent. We must recognise the ingrained misogyny in our society and work towards removing it. This can only be resolved by teaching boys from the very beginning that they are in no way superior to girls and they have no right to touch a woman without her consent.

Almost every country has a history of ill treatment towards women. Women from all over the world have been rebellious to reach the status they have today. While the western countries are still making progress, third world countries like India are lagging behind on women empowerment.

Lokita rawat.XI

Child Labour

Child Labour means forcing children or teens to work like adults—child labour rips children apart of their childhood and basic education. Child Labour results in inflicting physical, social, and moral harm on a child. In India, the numbers of child labourers go undetected. Many children are forced to work in unregulated conditions without adequate wages, food, or even rest. Many become victims of physical, sexual, and emotional abuse.

The widespread problem of Child Labour : Child Labour is quite prevelent in India due to poor schooling opportunities and the country's high poverty rate. Child Labour is common in both rural as well as urban regions of our country. As per the 2011 census report; the total population of the age group between 5-14 years is 259.6 million in India. Almost 3.9 percent of the total child population that is 10.1 million children in the country work either as the primary worker or as a marginal worker.

Eliminating Child Labour : From 2008 to 2013, the ILO operated a program through International Programme on the Elimination of Child Labour (IPEC) entitled "Combating Abusive Child Labour (CACL-II)". The project, funded by the European Union, contributed to the governments of various countries by providing alternative opportunities for vocational training and education to children rescued from the worst forms of child labour.Periodically, governments, employers' and workers' organisations have been meeting in global conference to assess progress and remaining obstacles and to agree on the measures to eliminate the worst forms of child labour from the world .Since the 1990's ,the ILO has led a global effort to raise awareness about child labour and the related problems and to encourage member states to ensure that appropriate attention is paid to child labour in wider development policies and programmes.

Abhishek Sinha,XI

WATER

Turn on the tap
does anyone know
where the water goes?
Turn on the tap
and the water comes.
Does anyone know?
Where the water's from ?
Water is clean and
water is cool living
in river and raining in pools...
Today is water when
we turn the tap on
But what will we
do when water is gone

Nandini Palariya ,VIII

SOLDIER

IF I DIE IN A WAR ZONE,

BOX ME UP AND SEND ME HOME

PUT MY MEDALS ON MY CHEST,

TELL MY MOM I DID MY BEST

TELL MY DAD NOT TO BOW,

HE WON'T GET TENSION FROM ME NOW

TELL MY BRO TO STUDY PERFECTLY

TELL MY SISTER NOT TO BE UPSET,

HIS SISTER WILL TAKE A LONG TO SLEEP AFTER SUNSET
TELL MY NATION NOT TO CRY,

"BECAUSE I AM A SOLDIER BORN TO DIE '',

ISHIKA UPRETI, XI

How covid vaccine works?

In simple words a vaccine of any particular disease contains the virus of that same disease but in weak or "dead" form so that the body could make antibody and can fight the original disease if it attacks the body. Now the question comes that what is "Antibody". As per I know our body is just like emergency system and it has three defence systems (known as immune system) which are WBCs (White Blood Cells), antibodies and T-cellsto protect itself. The WBCs give protection against bacteria because it breaks the cell wall of bacteria thus making it inactive. So actually WBCs cannot protect as Covid is not a bacteria, it is a virus (Corona virus).Now, the work of antibodies and T-cells comes when the attack of virus occurs. So, as you all must have seen the photo of coronavirus, have you noticed that it has some bud or spike like structure coming out of its surface. These projections are actually plugs of covid-19 through which it connects to our body and the antibodies stick on these projections and prevent it from attaching our body's RBCs (Red Blood Cell). Now, you would ask that the work is done and we have stopped the virus. What is the work of T-cells then? How canyou say that the virus on which the antibodies stick has not been through another cell before getting detected? So the work of T-cell is to destroy those cells which are already being infected, so it can be said that T-cells destroy our body's own cells but for our body's welfare .Now, the question comes that how will our immune system detect that covid-19 has entered in the body and how will it know that what is the shape of virus's projection according to which it will make antibodies. All this information is transferred by vaccine to our immune system as I have already stated above. So, in the vaccine of Covid-19, AstraZeneca used a virus of common cold and put the gene (information) of covid and then they injected it in our body and then after that our body easily detected it and got ready to fight the original covid virus if it invades the body.

Bhaumik Tripathi, VIII

Believe in Yourself

Believe in yourself,
In the power you have,
Believe in the strength
In the heart you have
Believe in the love
In the smile you have
Believe in today
To be the person you are
Believe in your faith
To be a successful person
Believe in tomorrow
To solve all your problems
Believe in hard work
To get success in a game
Believe your inspiration
To make the success knock at your class
Believe in your compromise
To reach any goal
Believe in tomorrow
To be a perfect person
Believe in goal
To have a perfect future.

Deepak Bubhlakoti, IX

SOLDIERS

I am a soldier,

My heart is in the land

I fight for life and freedom,

As I walk upon the sand.

I do not walk unworthy,

I will not stand alone.

The angles travel with me,

I fight for land and home.

I am a soldier,

A daddy and a friend.

A comrade and a brother,

A warrior to the end .

I do not walk unknowing,

The risk upon the way.

For God travels with me,

Each and every day…

Payana joshi,VIII

THE LAST WISH

Suhana was checking gifts which she received on her marriage.Inside those many gifts, there was a gift with her favourite wrap.So, she picked up the gift and when she read sticker it was titled,"To my princess,with love" Daddy

Suhana's eyes identified her dad's handwriting when she read the first word drafted on the sticker. She quickly opened the gift wrap. When she opened it, found a shirt and a photograph. She was wearing the same shirt in that photograph and her shirtless father was kissing her in the photograph. She wore that shirt and felt her dad. She took the photograph close to her heart and then she noticed something was written behind the photograph. When she flipped the photograph, it read, 'I always thought that to gift someone who herself is princess. So, I left all the priceless memories for the girl who had grown up wearing this shirt of her dad. Take care, honey.'
Those emotional words touched straights to Suhana's heart. She kissed the photograph and said "thank you daddy."
A few steps away her husband Aarav secretly noticed everything and felt relief for fulfilling the last wish of Suhana's father.

Shrine Singh, X

संस्कृत खण्ड

केंद्रीय विद्यालय

शरीर के अंगो के नाम

अन्गुलिः अंगुली

अन्गुष्ठः अंगूठा

अक्षि आंखे

ओष्ठः ओठ

कटिः कमर

स्कन्धः कंधा

कर्णः कान

ग्रीवा गर्दन

कपोलम। गाल

जानुः घुटना

उरः छाती

जिह्वा जीभ

जन्घा जांघ

चिबुकं ठोड़ी

दन्तः, रदः. दांत

नासिका नाक

नखः नाखून

उदरम्, जठरः. पेट

पादः पैर

केशः बाल

भुजा बांह

भ्रकुति भौंह

मस्तकम् माथा

शिरः सिर

करतलं हथेली

करः/हस्तः हाथ

चित्तं। मन

ज्योति स्वरूप कौर, कक्षा – ८ (8)

अस्माकम् प्रथमः राष्ट्रपति

डॉ० राजेन्द्रप्रसादः अस्माकम् देशस्य प्रथमः राष्ट्रपतिः आसीत् | अस्य महापुरुषस्य जन्म बिहारराजस्य छपराजनपदस्य जीरादेई नामके ग्रामे दिसम्बरमासस्य तृतीये दिवसे अभवत् | सः स्वभावेन अतिविनम्रः सरलः च आसीत् | बाल्यादेव सः अतीव कुशलः, परिश्रमशीलः , प्रतिभासंपन्नः च आसीत् | अयं सर्वासु कक्षासु सदैव प्रथमं स्थानं एव अध्यगच्छत् | सः विधिः शास्त्रस्य परीक्षाम्अपि उत्तिर्णाम् अकरोत् | अध्यनान्तरम् सः पटनोच्चन्यायालये वैरिस्टरवृत्तिं आरभत् |

परम् देशस्य दुर्दशाम् वीक्ष्य तस्य चित्तं द्रवीभूतम अभवत् | अतः अयं देशस्य स्वतंत्रतायै स्वतंत्रतासंग्रामे अकूर्दत् देशस्य सेवा च अकरोत् | सः एकः निपुणः राजनीतिज्ञः आसीत् | श्री राजेन्द्र गाँधी महोदस्य सिद्धांतान अमन्यत् | गाँधी महोदयः अपि एतस्मै अति स्पृहयति स्म | अस्य त्यागं , तपस्यां ,देशभक्तिम च दृष्टवा भारतीयाः अस्मै एव भारतस्य सर्वश्रेष्ठं राष्ट्रपतिपदं अयच्छत् अयं हि एकादशवर्षः -पर्यन्तं भारतस्य राष्ट्रपतिपदे अतिष्ठत् | अयं महापुरुषः फरवरी मासस्य अष्टाविंशत्याम तिथौ १९६३ तमे ईशवीये वर्षे दिवं गतः | अद्यापि सम्पूर्णः देशः अस्य महत् सम्मानं करोति |

भौमिक त्रिपाठी ,VIII

MATHS SECTION

केंद्रीय विद्यालय

Maths Class Norms

- Maths is about connection and communication.
- Mathematics is about creativity and innovation.
- Mistakes are valuable.
- Depth is more important than speed.
- Questions are really important.
- Everyone can learn maths to the highest level.
- Maths class is about learning, not performing.

Varun Thapa,XI

∞
INFINITY

Infinity is an abstract concept describing something without any bound or large than any number. The infinity symbol was introduced in 1655 by John Wallis. Modern mathematics uses the concept of infinity in the solution of many practical and theoretical problems, notably in calculus and set theory, and the idea also is used in physics and the other science. It is also been used in outside mathematics in modern mysticism and literary symbology.

Varun Thapa, XI

Some Special Numbers

PERFECT NUMBERS: - A perfect number is a positive integer that is equal to the sum of its positive divisors, excluding the number itself. For instance, 6 has divisors 1, 2 and 3, and 1 + 2 + 3 = 6, so 6 is a perfect number.

ABUNDANT NUMBERS:- An abundant number or excessive number is a number that is smaller than the sum of its proper divisors. The integer 12 is the first abundant number. Its proper divisors are 1, 2, 3, 4 and 6 for a total of 16.

AMICABLE NUMBERS:- Amicable numbers are two different numbers related in such a way that the sum of the proper divisors of each is equal to the other number. The smallest pair of amicable numbers is (220,284). they are amicable because the proper divisors of 220 are 1, 2, 4, 5, 10,11, 20, 22, 44, 55 and 110, of which the sum is 284; and the proper divisors of 284 are 1, 2, 4, 71 and 142, of which the sum is 220.

Bhaumik Tripathi,VIII

LIBRARY ACTIVITIES

SCIENCE SECTION

केंद्रीय विद्यालय

The life on mars

Mars is the fourth planet from the sun in our solar system.Also; it is the second smallest planet in our solar system. The possibility of life on mars has aroused the interest of scientists for many years .A major reason for this interest is due to the similarity and proximity of the planet to earth .Mars certainly gives some indications of the possibility of life.

In the past, Mars used to look quite similar to earth. Billions of years ago, there were certainly similarities between mars and earth. Furthermore, scientists believe that Mars once had a huge ocean.

Moreover, Mars was much warmer in the past that it is currently .Most noteworthy, warm temperature and water are two major requirements for life to exist. So, there is a high probability that previously there was life on Mars. Life on earth can exist in the harshest of circumstances.

Furthermore, life exist in the more extreme places on earth .Moreover life on earth is available in the extremely hot and dry deserts. Also life exit in the extremely cold Antarctica continent .Most noteworthy this resilience of life gives plenty of hope about life on Mars .

One important point to note is that no scratching of mars's surface has taken place.

Furthermore, a couple of inches of scratching has taken place until now .Scientists have undertaken analysis of small pinches of soil.

There may also have been a failure to detect signs of life due to the use of faulty techniques .Most noteworthy ,there may be "refugee life"deep below the planet's surface…

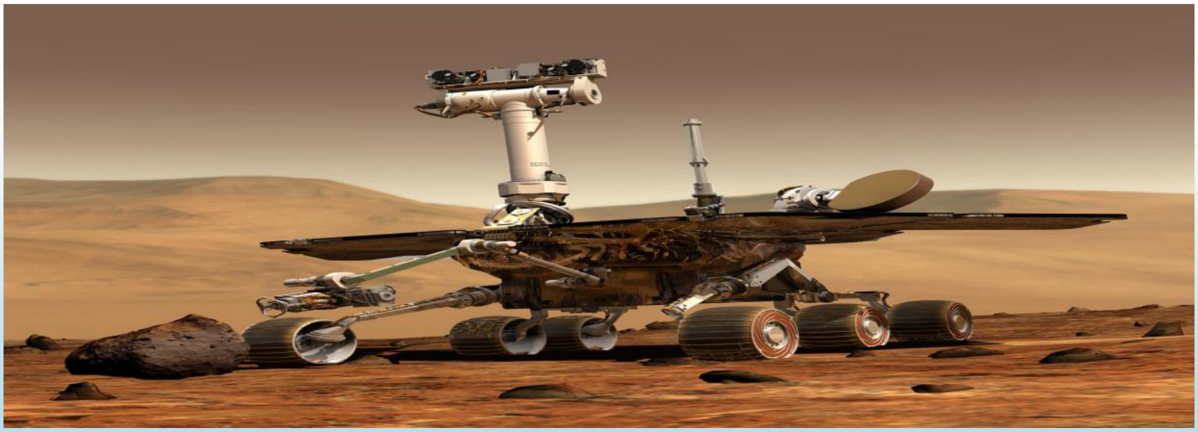

PAYANA JOSHI,VIII

Amazing fact related to science

- Eiffel Tower can be 15 cm taller during the summer.
- Babies have around 100 more bones than adults.
- 20% of the Earth`s oxygen is produced by the amazon rainforest.
- Some metals are so reactive that they explode on contact with water.
- A teaspoon of neutron star would weigh 6 billion tons.
- Hawaii moves 7.5cm closer to Alaska every year.
- Chalk is made from trillions of microscopic plankton fossils.
- In 2.3billion years it will be too hot for life to exist on earth.
- Polar bears are nearly undetectable by infrared cameras.
- It takes 8 minutes, 19 seconds for light to travel from the sun to the earth.
- If you took out all the empty space in our atoms, the human race could fit in the volume of a sugar cube.
- Stomach acid is strong enough to dissolve stainless steel.
- The Earth is a giant magnet.
- Venus is the only planet to spin clockwise.
- A flea can accelerate faster than the space shuttle.

Shalini Joshi,VIII

SCOUT AND GUIDE ACTIVITIES

धन्यवाद